प्रार्थना क्रम

प्रार्थना की बुलाहट

"राज्य राज्य के लोग आनन्द करें, और जयजयकार करें, क्योंकि तू देश देश के लोगों का न्याय धर्म से करेगा, और पृथ्वी के राज्य राज्य के लोगों की अगुवाई करेगा॥" (भजन 67:4)

धर्मसेवक	विशाल पॉल	
प्रारंभिक गीत	न. म. गी. कि. 234	रह मेरे साथ हुआ है
तैयारी	क्रम संख्या 3 से 5	विशाल पॉल
प्रथम पाठ	नहेमायाह 5:14-19	जॉन मेस्सी
दूसरा पाठ	1 पतरस 2:11-16	सुषमा लाल
गीत	न. म. गी. कि. 164	वन्दे प्रभु वन्दे मसीह
सुसमाचार	मत्ती 22:15-21	विशाल पॉल
उपदेश		पॉल स्वरूप
निकाया का अक़ीदा	क्रम संख्या 14	सब
सूचनाएँ		पॉल स्वरूप
सिफ़ारशी दुआएँ	क्रम संख्या 16	नवमिता सेराफिम
गुनाहों का इक़रार	क्रम संख्या 17- 19	विशाल पॉल
क्षमादान और शांति अभिवादन	क्रम संख्या 20 और 22	पॉल स्वरूप
प्रार्थना और हदिये का गीत	न. म. गी. कि. 347	बरकते तू है बरसाता
	जो लोग इस हफ्ते अपना जन्मदिन और सालगिरह मना रहे हैं.	
आशीष वचन	क्रम संख्या 45	पॉल स्वरूप
अन्तिम गीत	न. म. गी. कि. 68	महिमा से तू जो
संविधान उद्देशिका और राष्ट्रीयगान		

BIRTHDAYS & ANNIVERSARIES	
26th Jan	Nisha Titus
27th Jan	Mr. & Mrs. Simon Lall
29th Jan	Mr. & Mrs. John Massey
1st Feb	Akhil James, Prashant Padamata

NOTICES

- PC Meeting will be held on 1st February 2020 at 4:00 pm in the Tucker Hall.
- 24 hour Chain Prayer will be held on the 1st Saturday of every month. This will be held on 1st February 2020 for the coming month. Each of you are requested to choose a one hour slot and pray in your homes according to the given prayer points. For Hindi, contact Mr. Emmanuel Chand; for English, contact Mrs. Sheba Shadrach.
- Those of you who their Birthdays & Wedding Anniversaries in the coming week and would like are celebrating to do a reading/intercession are requested to give your names to the Presbyters / Church Office.
- Collection from last Sunday Services was **Rs. 24398/-**

GREEN PARK FREE CHURCH

CNI, Diocese of Delhi,

A-24 Green Park, New Delhi-110016

गणतन्त्रता दिवस

प्रभु येशु के जन्म के पश्चात पांचवा रविवार

26 जनवरी 2020

हमारे देश के लिए प्रार्थना।

Presbyter-in-Charge	Presbyter	Hon Secretary	Hon Treasurer
Rev Dr Paul Swarup 9811397771	**Rev. Vishal R. Paul** 9313912594, 8700784065	**Mr. Dennis Singh** 9811269792, 8700319032	Mrs. Kiran Mohan 9811477154

Regular Sunday Service

Hindi: 8:30 a.m., English: 10:30 a.m., Evening Worship: 5:30 p.m.

Church Office: 011– 42637508, 26561703,

gpfc.delhi@gmail.com, officegpfc@gmail.com

www.freechurchgreenpark.com

PLEASE SWITCH OFF YOUR MOBILE PHONES WHILE IN THE CHURCH

Pastor Writes

मैं आप सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। आज हमारा गणतंत्र दिवस है जब हमने खुद को संविधान दिया। भारतीय संविधान की उद्देशिका है:

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता, प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में,
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित कराने वाली, बन्धुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्पित होकर अपनी संविधानसभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

हालाँकि, पिछले कुछ महीनों में विशेष रूप से हमने देखा है कि सीएए जैसे कानूनों को पारित करके इस प्रस्तावना की रचना पर हमला किया गया है, धर्म के आधार पर और मुस्लिम समुदाय से शरणार्थी का दर्जा समाप्त करना या नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआरसी) या राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के कार्यान्वयन, जिसके लागु होने से असम में 19 लाख लोगों को बाहर रखा गया है। संसद में गृह मंत्री द्वारा यह कहा गया था कि यह भारत के सभी राज्यों में लागू किया जाएगा और बाद में पीएम ने यह कहते हुए मना कर दिया कि सभी राज्यों में लागू होने वाले NRC पर कोई गंभीर चर्चा नहीं हुई है। इसके चलते पूरे भारत में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और लोगों को अशांति से भर दिया है।

इस तरह के संदर्भ में परमेश्वर हमें एक मसीही समुदाय के रूप में सत्य और ईश्वर के राज्य के मूल्यों के लिए खड़े होने के लिए कहते हैं। आज सुबह हमारे लिए पढ़े गए सुसमाचार में, फरीसियों ने यीशु को फंसाना चाहा और इसलिए उन्होंने अपने शिष्यों को हेरोदियों के साथ उसके पास भेजा। यह समूह यीशु के पास आता है और वे कहते हैं, "हे गुरू; हम जानते हैं, कि तू सच्चा है; और परमेश्वर का मार्ग सच्चाई से सिखाता है; और किसी की परवा नहीं करता, क्योंकि तू मनुष्यों का मुंह देखकर बातें नही करता। इस लिये हमें बता तू क्या समझता है? कैसर को कर देना उचित है, कि नहीं।" इस प्रश्न का उद्देश्य यह जांचना था कि क्या यीशु रोमन साम्राज्य के प्रति निष्ठा रखते थे या क्या वे करों का भुगतान नहीं करने में यहूदी लोगों का समर्थन करेंगे, जिसका अर्थ होगा कि वह सत्तारूढ़ रोमन सरकार के खिलाफ थे। मकसद यह था की या तो उसे 'राष्ट्र-विरोधी' या 'समुदाय-विरोधी' के रूप में फ़साने का था, किसी भी तरीके से, जो उसके जवाब पर निर्भर करता है। वे इस सवाल के साथ यीशु को फंसाना चाहते थे। कभी-कभी आप और मैं भी इसी तरह के सवाल का सामना करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। यदि आप वर्तमान व्यवस्था से सहमत नहीं हैं या आप विरोध करते हैं तो आप एंटी-नेशनल हैं या यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप समुदाय विरोधी हैं। हम इन कठिन निर्णयों के माध्यम से कैसे निकलते हैं? क्या केवल ये दो विकल्प हैं? कर का भुगतान करने के अधीनस्थ जो थिओलोजी है वो परमेश्वर के प्रति निष्ठा था| आपको एक या दूसरे के साथ रहना होगा।

हालाँकि यीशु पूरी तरह से एक अलग विकल्प के साथ आता है। तब उस ने, उन से कहा; जो कैसर का है, वह कैसर को; और जो परमेश्वर का है, वह परमेश्वर को दो। उस ने कहा, कर का सिक्का मुझे दिखाओ: तब वे उसके पास एक दीनार ले आए। उस ने, उन से पूछा, यह छाप और नाम किस का है? उन्होने उससे कहा 'कैसर का'। यीशु ने इसलिए कहा, जो कैसर का है, वह कैसर को; और जो वो इस पर नहीं रुकता। राज्य के लिए दायित्व हैं पर जो ईश्वर के प्रति हमारे दायित्व वह उसे रोक नहीं सकता हैं और हमसे यह अपेक्षा की जाती है। मनुष्य परमेश्वर की छवि और समानता में बना है और इसलिए हमारी परम निष्ठा परमेश्वर के प्रति है। हम अपने जीवन में इस निष्ठा का अभ्यास करते हैं, हम अभ्यास करते हैं, आज्ञाकारिता, प्रेम, न्याय, सच्चाई और विश्वास। हम परमेश्वर के राज्य को लाने हैं, राज्य मूल्यों का नया समुदाय, जो आशा और परिवर्तन का स्रोत है। जब हमारे आसपास अन्याय होता है तो हम मूकदर्शक बने नहीं रह सकते हैं। हमें सच बोलना है।

जर्मन लूथरन पादरी मार्टिननैमोलर (1892-1984) जर्मन बुद्धिजीवियों और कुछ पादरियों की कायरता के बारे में बात की (अपने स्वयं के प्रवेश द्वारा, अपने आप सहित)सत्ता के लिए नाजियों के उत्थान और बाद में उनके चुने हुए लक्ष्यों की वृद्धि के बाद समूह के बाद समूह के रूप में निम्नानुसार है:

पहले वे समाजवादियों के लिए आए थे, और मैं बाहर नहीं आया था-
क्योंकि मैं समाजवादी नहीं था।
फिर वे ट्रेड यूनियन के लिए आए, और मैंने कुछ नहीं बोला-
क्योंकि मैं ट्रेड यूनियनिस्ट नहीं था।
फिर वे यहूदियों के लिए आए, और मैं बाहर नहीं बोला-
क्योंकि मैं यहूदी नहीं था।
फिर वे मेरे लिए आए – और मेरे लिए बोलने के लिए कोई नहीं बचा था।

काश हम उसी श्रेणी में नहीं आये। मसीह के अनुयायी होने के रूप में हमारे लिए सत्य और न्याय महत्वपूर्ण हैं। हम सत्य के लिए, न्याय के लिए, समानता के लिए, स्वतंत्रता के लिए और बिरादरी के लिए खड़े हैं क्योंकि हमने संविधान में खुद से वादा किया है। परमेश्वर हमारे भारत गणराज्य को आशीष दे। जय हिन्द! परमेश्वर आपका भला करे।

शालोम

पॉल स्वरूप

कौलेक्ट

हे हमारे पिता परमेश्वर, अपने हमें सिखाया है कि न्याय के बिना शांति संभव नहीं है। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे बीच से द्वेष और झगड़ों के सब कारणों को दूर कीजिए और अपनी कलीसिया पर कृपा कीजिए ताकि वह सर्व-सामान्य मानवता की साक्षी दे और देश के सब लोगों में मेल मिलाप और एकता को बढ़ाने का प्रयास करे; आपके पुत्र हमारे प्रभु येशु मसीह के द्वारा, जो आपके और पवित्र आत्मा के साथ एक परमेश्वर हैं, और अब तथा सदा -सर्वदा जीवित और राज्य करते हैं। **आमीन।**

Please pray for our church family members who are in need of your prayer support:

Ms. Sanjivani Agarwal, Master Isaiah, Mr. Eugene Samuel, Mrs Sujaya Kingston, Mrs Shirley Thomas, Rev. GH Grose, Mrs. Hilda Immanuel, Ms. Shiela Choudhary, Mr. Dalip Kumar Ghosh, Mrs. E. S. Ruskin, Mr. Neelu Joseph, Ms. Mellisa Dass, Mrs. Ruth Peace, Mrs. Virginia Sen, Mr. Suresh Kukde, Mrs. Jyotika Suraj, Master Arnav Vyas, Mrs. Savitri and Mrs. Cynthia Nathaniel.